

श्री गुरु चरण सरोजम्
 निमिषमुक्ता सुधा ॥ २ ॥
 पर जे २ चुपरे किमि लेखी,
 जो हाथक फल चोरी ॥

हे गुरु चरण सरोजम्
 जो बोल बोल कर लोके
 जो बोल बोल कर लोके
 जो बोल बोल कर लोके
 जो बोल बोल कर लोके

write
neatly

ब्रह्मदेव तनु जानिके सुमिरौ पवन
 कुमार ।

जो बोल बोल कर लोके
 जो बोल बोल कर लोके

बल ब्रह्मदेव देह मोहि
 हरहु कलेश विकार

పల్లవి కి వ ద్వారా దేవుడు
మీ హృదయం హరించుకొంటుంది
|| విశ్వా ||

① జయ హనుమాన్ బాని ~~గ~~ గుణ
సాగరాల కి పీఠాస తిరుగు
అలలారే ||

దేవుడు హనుమాన్ ద్వారా
నీ ~~హృదయ~~ హృదయ నాకు
దే ~~హృదయ~~ హృదయ తిరుగు
అలలారే ||

② శ్రీమద్భక్త ఆత్మలీల వలదామా ।
అంగి-ప్రకాశ పలుకు-భువనామా ||

శ్రీమద్భక్త ఆత్మలీల పల్లవి
అంగి-ప్రకాశ పలుకు-భువనామా
||

③ महिबीर विक्रम वज्रंशी । मी
का मीने निवार सुमति के सानि

మనకు 29.02.2020 నాడు పనిచేసిన
విషయం గురించి సమాచారం

④ कंकन बड़ोण विराजत सुवेशा ।
कानिन कुडल कुचिन केशा ॥

కొత్తది 02600 బొంద సుబ్బా
కొత్తది కొందల కొంచిత రేచం

⑤ हा न बरसा आ ध्वजा विराजे ।
काँची नै ज ज नै उ साँजे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

⑥ शीकर सुवर्ण के शरीर-नन्दन
जग प्रताप महा जग-वन्दन

रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र
रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र

⑦ विद्यावान् वाणी अतिचातुर
रामकाव्य करिब का आतुर

रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र
रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र

⑧ प्रभु चरित्र सुनवे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र
रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र
रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र रौद्र

⑨ सुद्धम रूप धरि सि. यहिं दिखावा
विकट रूप धरि लंक जारावा

सुद्धम रूप क बि सुद्धम रूप क बि
विकट रूप धरि लंक जारावा

⑩ श्रीम रूप धरि अ. सु. सं. सं.
सामयन्त्र के काज सेवा
कै. सु. रूप क बि सुद्धम रूप क बि
विकट रूप धरि लंक जारावा

⑪ लाय स जीवन लक्षण निषाये
श्री रघुबीर हर पी उर लाये

रूप क बि सुद्धम रूप क बि सुद्धम रूप क बि
विकट रूप धरि लंक जारावा

15

यम कुबेर रुद्रिग पन जही
कानि कोपिक कहि सके फही

बुद्धि ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म
- के इति इति इति इति इति

16

रुम उपकार सुग्रीव किन्ही
राम मि लायि राज पक हिही

17

रुद्र रौ मैन विभीषण माना
लकेवर भये सब जग जाना

बुद्धि ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म
एति इति इति इति इति

18.

युग सहस्र योजन पर भानु
लिख्यो गहि मधुर किम जा
-वे

యే న హస్తే యే పరే

130150

మరియు తాము మధుర వలె జీవించు

19

प्रश्न मुद्रिका मे ल मख माह
ज ल धि ल धि न ये अचर ज न हि

నా భూమునికి పులియే
దొంగిలొచ్చింది. అది చూసి

హ

20

1. W

5

20

जगत
दुःखमि काज के जेत
सुखमि अं मुग्रह दुखहरे ते

जगत

శుభ రుద్రాక్షం దుగ్ధం దుగ్ధం దుగ్ధం దుగ్ధం దుగ్ధం
శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం శుభం

మనకు అనుకూలమైన వ్యక్తి

(21)

राम तुझे तुम रखवाये
होत न आसा बिन पैसाये

सब सुख लहे तुम्हरी सान
तुम रहसि काहे को डरना

(22)

सब सुख लहे तुम्हरी सान
तुम रहसि काहे को डरना

सब सुख लहे तुम्हरी सान
तुम रहसि काहे को डरना

सब सुख लहे तुम्हरी सान
तुम रहसि काहे को डरना

(23)

आपने तेज सुन्हाये आप
तीनी लोक हाँकते कोपे

एक बंद कोट में आपने कोट
कोट कोट में आपने कोट

अ

(24) भूत पिशाच निकट नहि आवै
महावीर जब नाम सुनावै

कूट के बिटौ च नहि नहि नहि
महावीर के च नाम सुनावै

(25) नाशौ रोगि हरै सब पीरा
जपत निरन्तर हनुमान बीरा

ना हौ हान ^उ ^उ नहि नहि
महावीर के च नाम सुनावै

(26) संकट ^{से} हनुमान छुड़ावै
नमो कृम बचन ध्यान जो लावै

कूट के बिटौ च नहि नहि नहि
महावीर के च नाम सुनावै

(27) सब पर राम तपस्वी राजा
जिनके काज सकल हम साधा

हुई सब काज हम ही ठा
उन्हे काज नकल हमें साधा

(28) और मनोरथ जो कोई माँव
सोइ अमित जीवन फल पाव

हुई सब काज हम ही ठा
उन्हे काज नकल हमें साधा

(29) प्रिये देवा जगत्पति महारा
ह परसिद्ध जगत उजियारा

काही यमक सब काज हम ठा

उन्हे काज नकल हमें साधा

(30) साधु संत के ली स खवारे
असुर निकलन राम हूतारे

नो क्य नोई रे छाम हकीरी
छामे निको छर चाम दूठार

(31) अलसिह लव निधि के द्वारा
असे कर बिन जागि मारा

अलसिह के निको रे के के के के
छामे चर हकी हकी हकी हकी

(32) राम रसावन ^अ कृष्ण रस पासा
सोफा रहे रघुपति के कोसा

राम रसो रसो रसो रसो रसो
राम रसो रसो रसो रसो रसो

(33) ~~जो नदी में जल रामको पावे~~
~~जहाँ जन्म को छत्र विभारवे~~

छत्रपुर यह है कम ही वा है
सुन्दर सुन्दर है मय धन का है

(34) अन्त ब्रह्म अष्टमी पूर जाई
जहाँ जन्म हरिभक्त का है

छत्रपुर है रक्षक यह है यह है
सुन्दर सुन्दर है मय धन का है

(35) और बिना चित्त न धारई
हनुमान से हँसी सुक काई

होई है नर चक्र न है
सुन्दर सुन्दर है मय धन का है

36) मुकट हो मिटे सब पीना
जो सुमिरै हनुमान वन की

चोरु चोरु चोरु चोरु चोरु
चोरु चोरु चोरु चोरु चोरु

37) जै जै जै हनुमान गोसाई
कृपा करहु गुरुदेव की नाई

हूँ हूँ हूँ हनुमान हूँ हूँ
हूँ हूँ हूँ हनुमान हूँ हूँ

38) जोह शत्रु बार पाठ कर जोई
छुटहि बन्धि महा सुख होई

हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ

(37) ^{यह} जो या पढ़े हनुमा नवाली सा
होय सिद्धि सारणी मोरी रोमा

हम अल्लाह से हूँ अल्लाह का बच्चा
हम अल्लाह से हूँ अल्लाह का बच्चा

(38) तुलसीदास सका ही चेरा
कीजें मोथ हकय महे डेरा
एक पक्षी बन चला जाय डेरा
हूँ मैं राक अमोदक्य ममका डेरा